बशीरबाग स्थित प्रेस क्लब में आयोजित एक समारोह के दौरानं गायक एवं संगीतकार मधुमोहन के पहले हिन्दी एलबम 'मेरी चाहत' का लोकार्पण करते सालार जंग संग्रहालय के निदेशक डॉ. ए.के.वी.एस. रेड्डी। (फोटो : स्टाइल)

'गीत-संगीत के प्रचार के लिए हिन्दी भाषा अपनाना जरूरी'

हैदराबाद, 24 फरवरी-(मिलाप ब्यूरो) 'गीत और संगीत को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना है, तो हिन्दी को अपनाना चाहिए। यह अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है।'

उक्त विचार आज तेलुगु फिल्म संगीत के विख्यात निर्देशक कोटी और माधव पेद्दी सुरेश ने यहाँ एक हिन्दी संगीत एलबम के लोकार्पण समारोह में व्यक्त किये।

उभरते गायक व संगीतकार मधुमोहन के पहले हिन्दी एलबम 'मेरी चाहत' का लोकार्पण सालारजंग संग्रहालय के निदेशक डॉ. ए. के. वी. एस. रेड्डी ने आज प्रेस क्लब में आयोजित एक समारोह में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज कानफोड़ू संगीत से दूर भाग रहे लोगों को संगीत के नज़दीक लाने के लिये अच्छे कर्णप्रिय गीत-संगीत की आवश्यकता है। इस कमी को मधुमोहन ने दूर करने का प्रयास किया है।

संगीतकार कोटी ने खुले दिल से स्वीकार किया कि हिन्दी विश्व में बड़ी संख्या में बोली जाने वाली भाषा है, इसलिए अपनी कला को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना हो, तो उसे हिन्दी में पेश करना अनिवार्य है। इस संबंध में उन्होंने ए. आर. रहमान का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि मधुमोहन के एलबम में शामिल गीत पुराने दौर की याद दिलाते हैं। उसका संगीत कर्णप्रिय है।

माधव पेद्दी सुरेश ने भी एलबम एवं कलाकार दोनों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मधुमोहन ने हिन्दी में एलबम पेश करके दक्षिण भारत से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने एक तेलुगु एलबम को दिये गये उनके संगीत की भी सराहना की।

इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर से संगीतकार बने मधुमोहन ने बताया कि वे दो वर्षों से यह प्रयास कर रहे थे कि हैदराबाद के कवियों और शायरों से अपने विषय पर लिखे गये गीत, ग़ज़ल और नज्मों को लेकर एक एलबम बनाएँ। इसमें वे आज कामयाब रहे हैं। समारोह में संगीत, फिल्म एवं फैशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र की शख्सियतें मौजूद थीं। एलबम में हैदराबाद के विख्यात शायर साक़िब बनारसी, नरेन्द्र राय, जगजीवन अस्थाना, अतियब एजाज और राशिद आज़र की रचनाएँ शामिल हैं, जिसे मधुमोहन के साथ साधना सरगम ने गाया है।

Hindi Milap
Feb 25, 2008